

# कम्पन

आनन्द अलौकिक आकर ,  
विह्वलता का उत्पादन ।  
पूर्णत्व प्रभावित तन हो ,  
रोमांच रभस प्रतिपादन ।।

—कुलदीप चतुर्वेदी 'निर्भय'